एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन

महिला उत्थान

कैरल हिलगार्टनर श्लैंको

चित्र: जेनिस बॉन्ड

एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन

महिला उत्थान

कैरल हिलगार्टनर श्लैंको

चित्र: जेनिस बॉन्ड
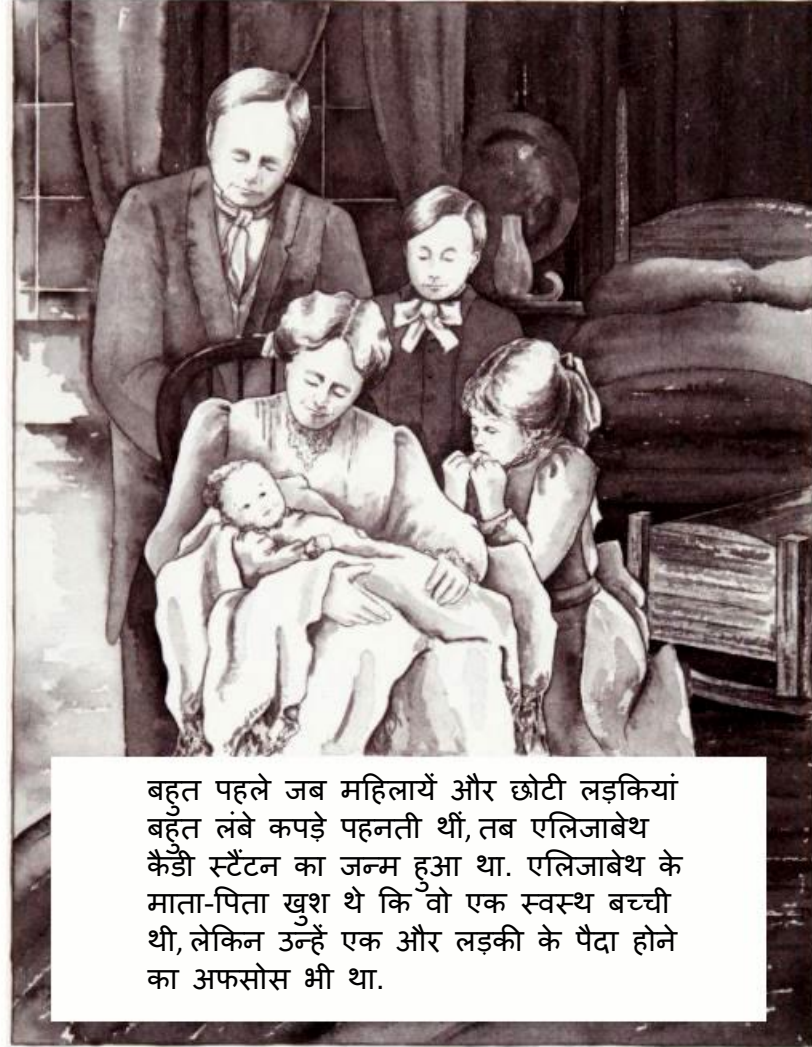
बहुत पहले जब महिलायें और छोटी लड़कियां बहुत लंबे कपड़े पहनती थीं, तब एलिजाबेथ कैंडी स्टैंटन का जन्म हुआ था. एलिजाबेथ के माता-पिता खुश थे कि वो एक स्वस्थ बच्ची थी, लेकिन उन्हें एक और लड़की के पैदा होने का अफसोस भी था.
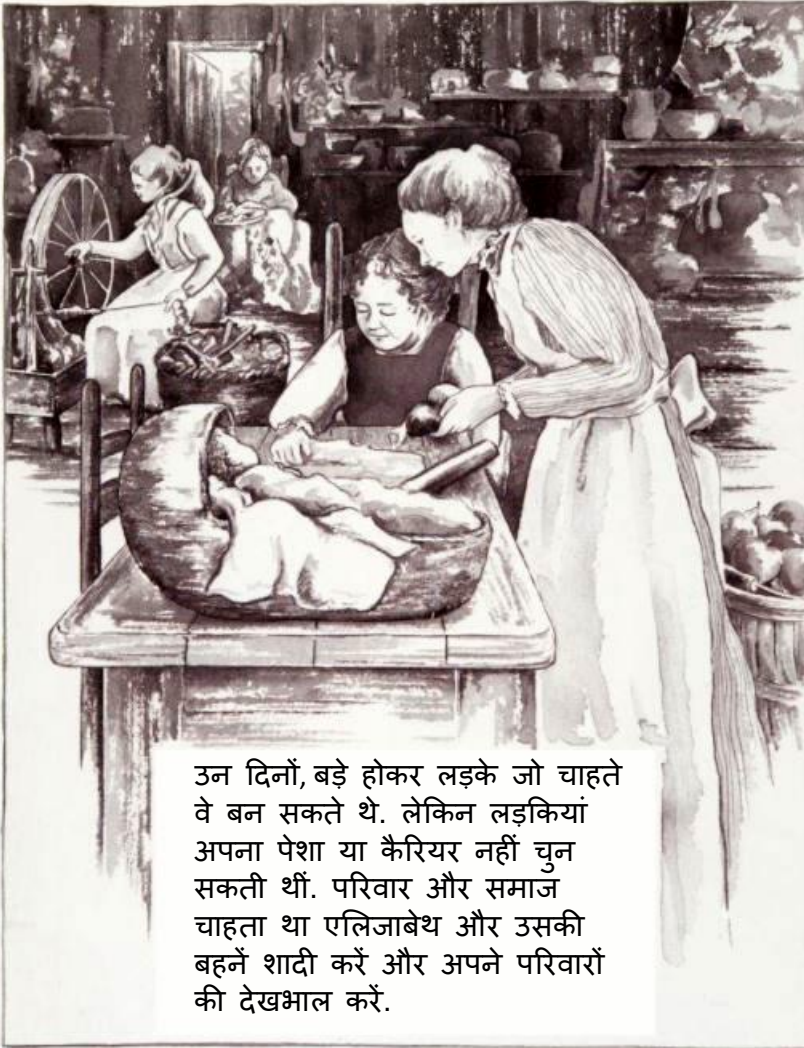
उन दिनों, बड़े होकर लड़के जो चाहते वे बन सकते थे. लेकिन लड़कियां अपना पेशा या कैरियर नहीं चुन सकती थीं. परिवार और समाज चाहता था एलिजाबेथ और उसकी बहनें शादी करें और अपने परिवारों की देखभाल करें.
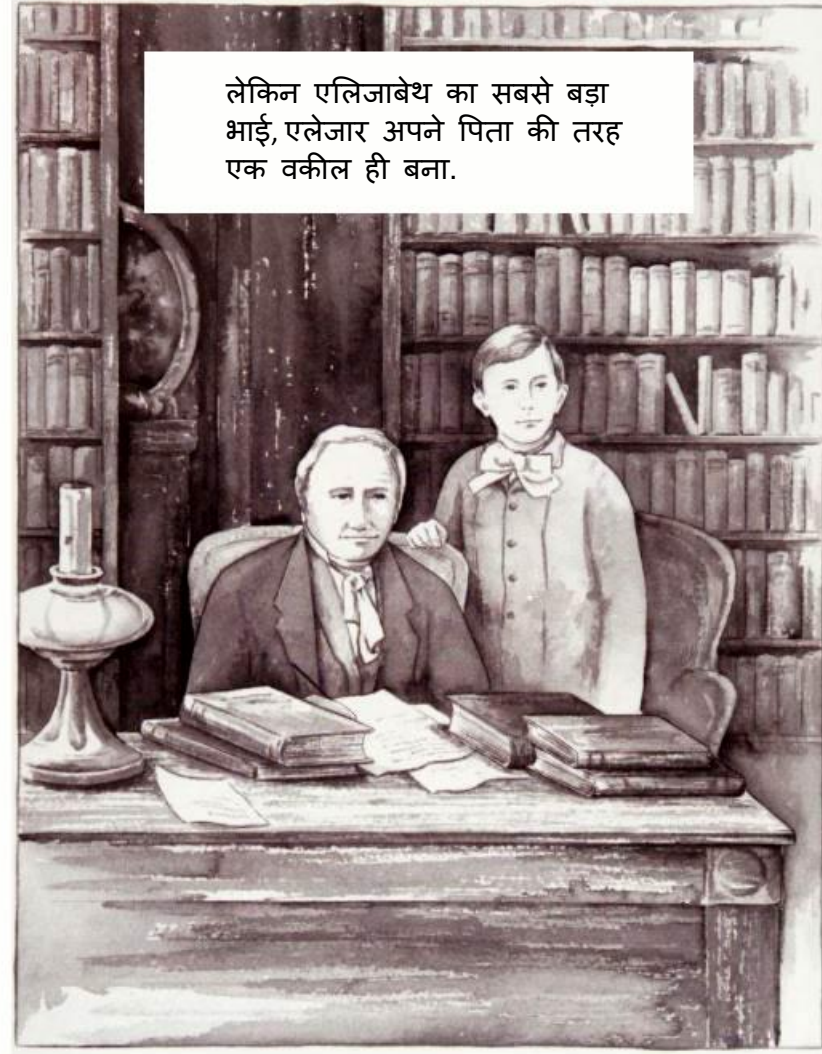
लेकिन एलिजाबेथ का सबसे बड़ा भाई, एलेजार अपने पिता की तरह एक वकील ही बना.
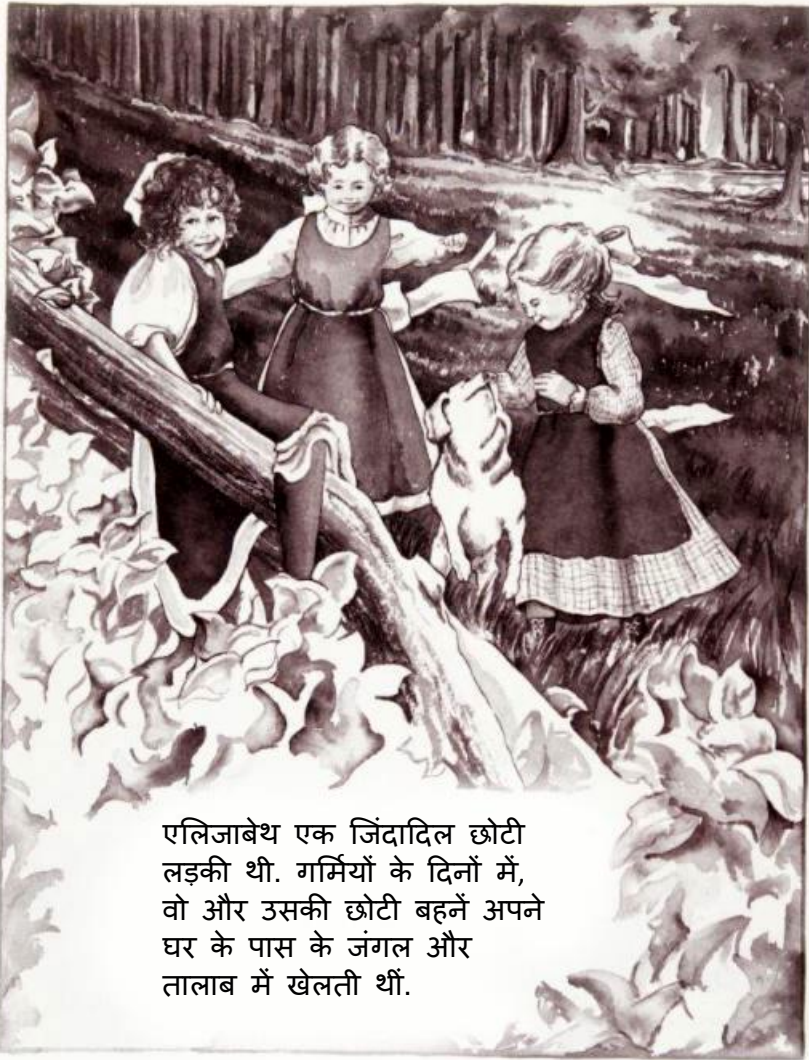
एलिजाबेथ एक जिंदादिल छोटी
लड़की थी. गर्मियों के दिनों में,
वो और उसकी छोटी बहनें अपने
घर के पास के जंगल और
तालाब में खेलती थीं.

बरसात के दिनों में, उन्हें
अटारी में पुराने कपड़े पहनकर
सजना-धजना पसंद था.
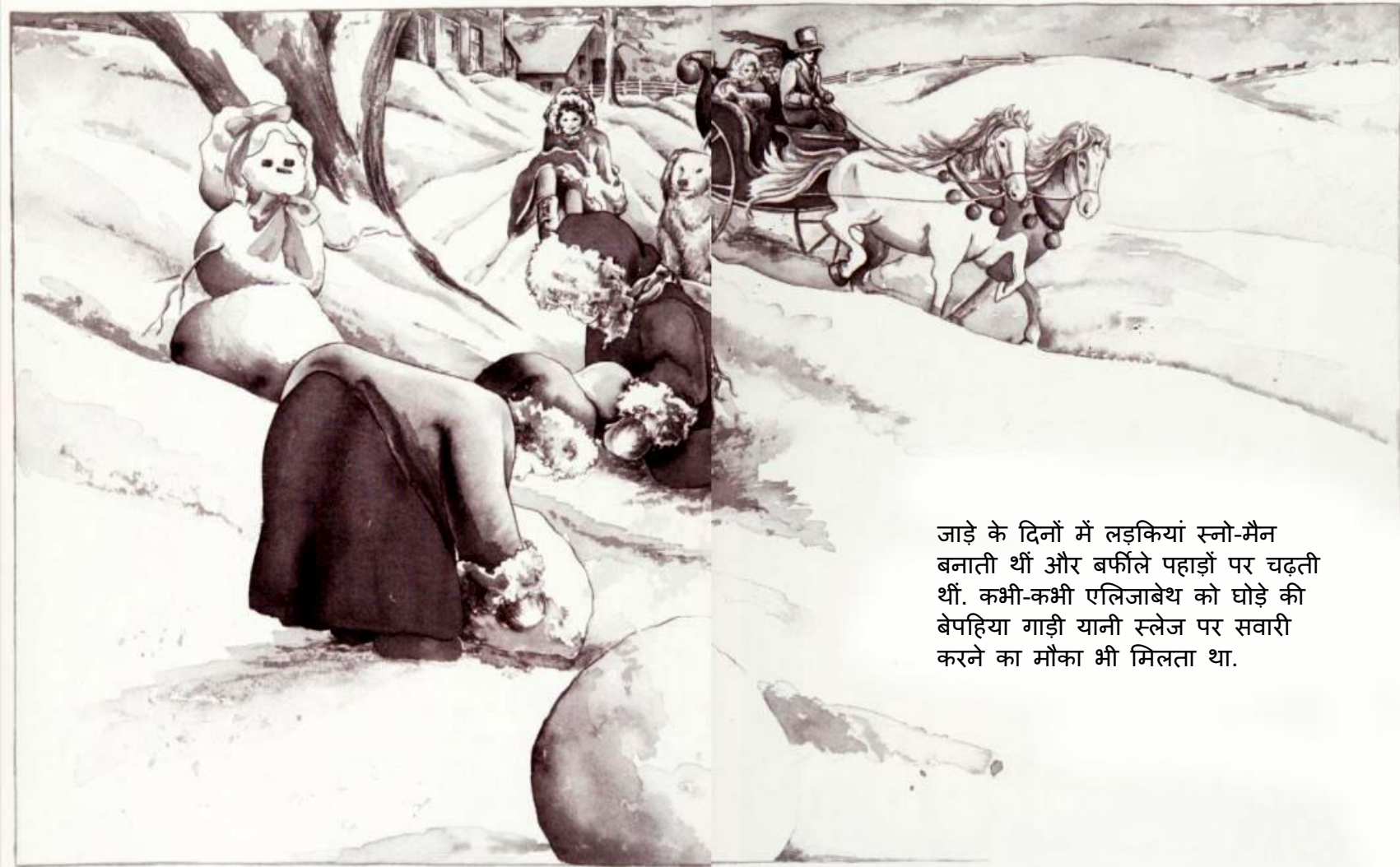
जाड़े के दिनों में लड़कियां स्नो-मैन बनाती थीं और बर्फीले पहाड़ों पर चढ़ती थीं. कभी-कभी एलिजाबेथ को घोड़े की बेपहिया गाड़ी यानी स्लेज पर सवारी करने का मौका भी मिलता था.

कभी-कभी एलिजाबेथ कोर्ट हाउस भी जाती थी जहाँ उसके पिता काम करते थे.
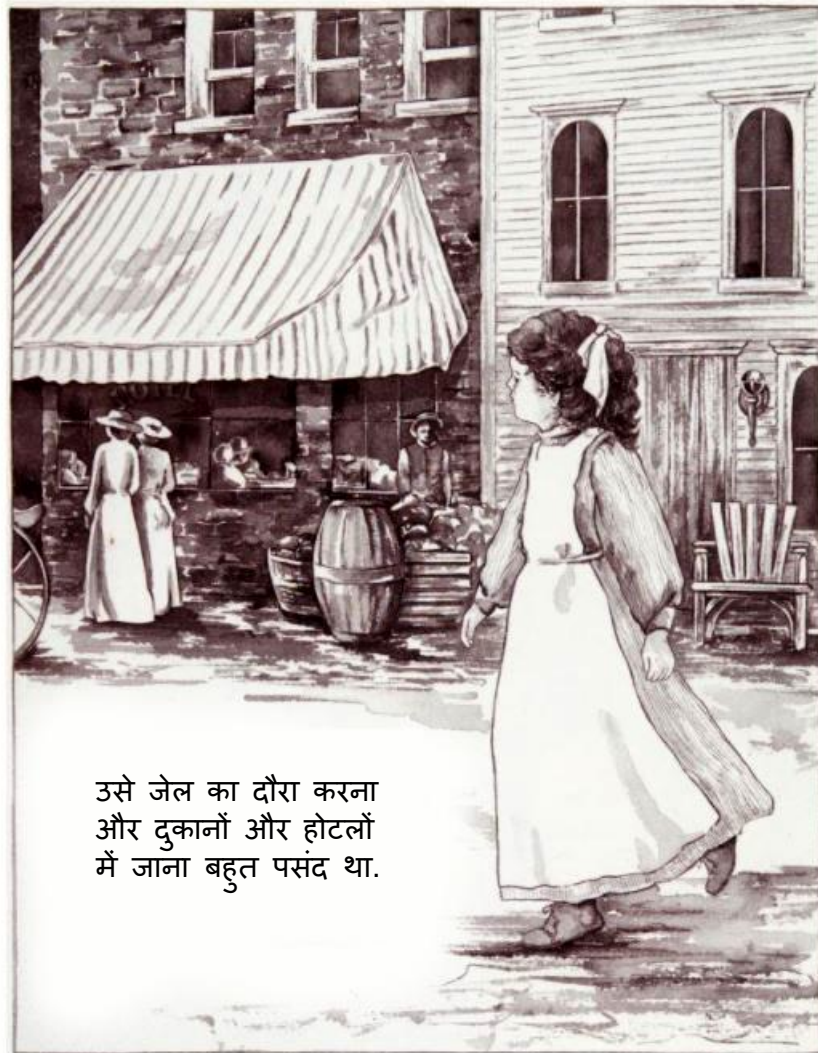
उसे जेल का दौरा करना और दुकानों और होटलों में जाना बहुत पसंद था.
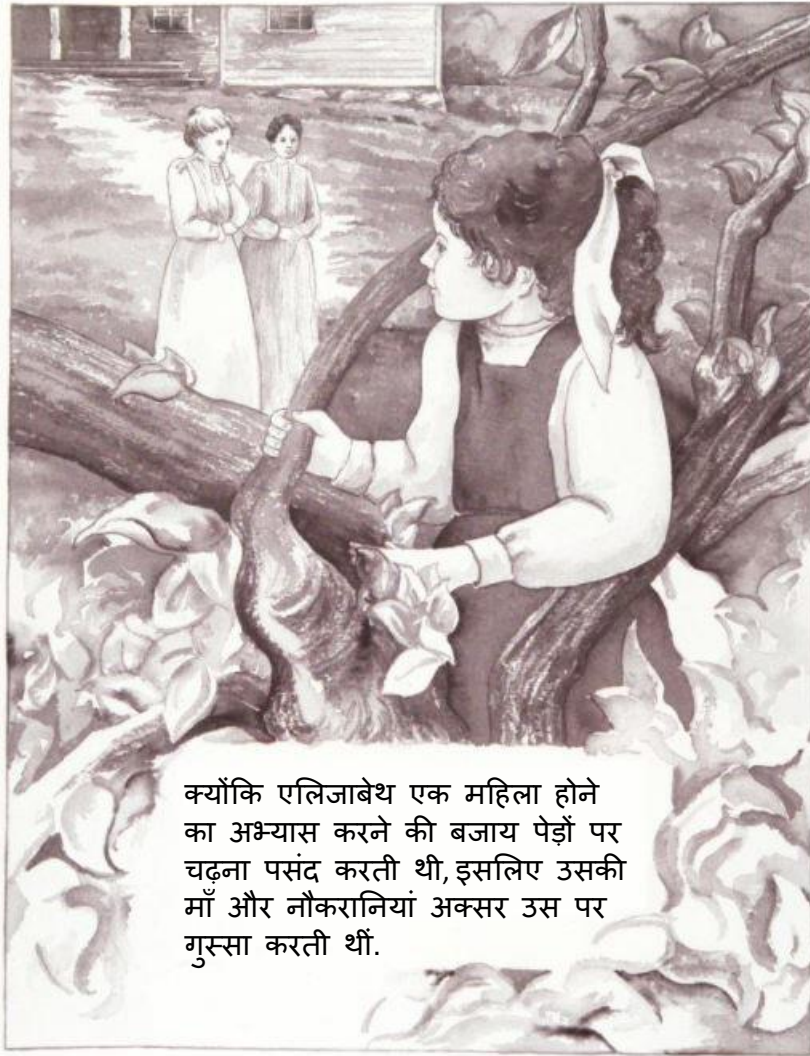
क्योंकि एलिजाबेथ एक महिला होने का अभ्यास करने की बजाय पेड़ों पर चढ़ना पसंद करती थी, इसलिए उसकी माँ और नौकरानियां अक्सर उस पर गुस्सा करती थीं.
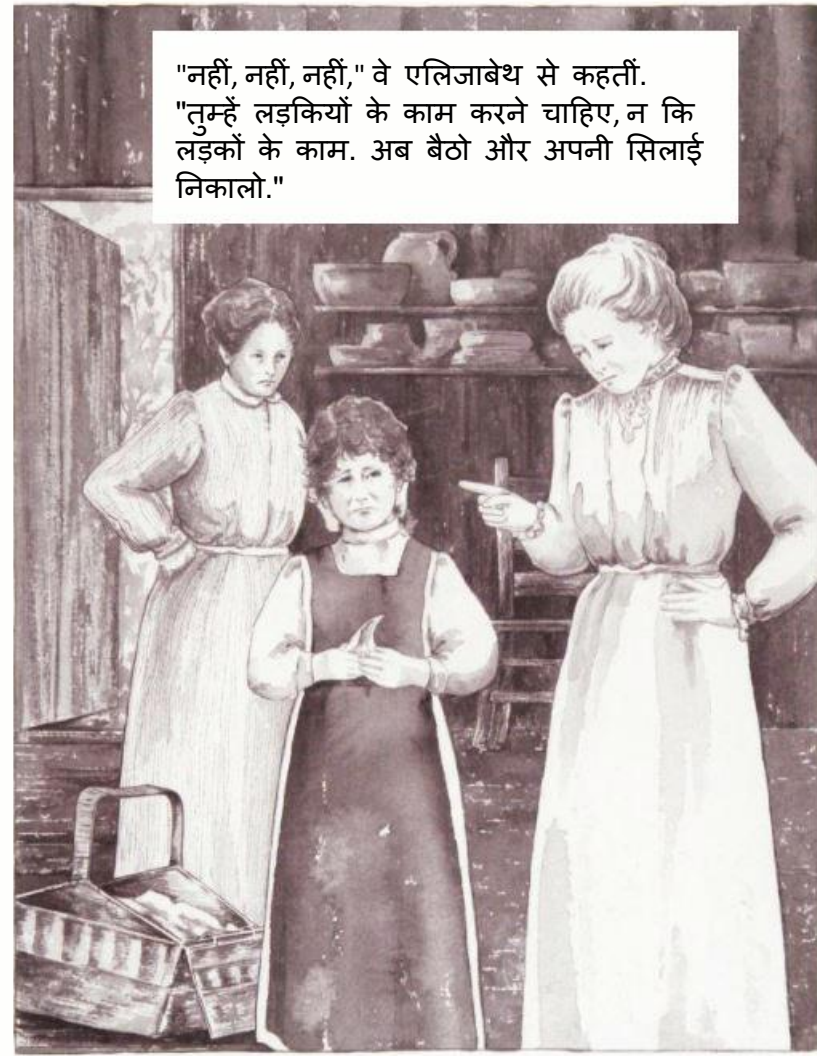
"नहीं, नहीं, नहीं," वे एलिजाबेथ से कहतीं. "तुम्हें लड़कियों के काम करने चाहिए, न कि लड़कों के काम. अब बैठो और अपनी सिलाई निकालो."
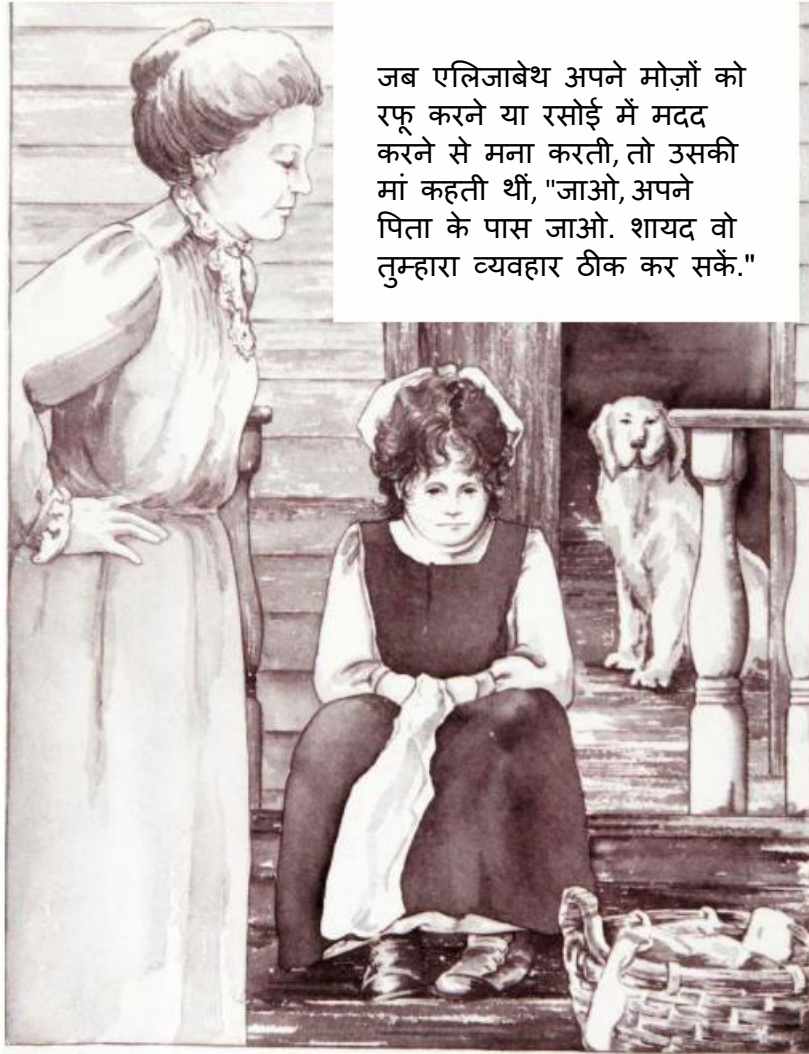
जब एलिजाबेथ अपने मोज़ों को रफू करने या रसोई में मदद करने से मना करती, तो उसकी मां कहती थीं, "जाओ, अपने पिता के पास जाओ. शायद वो तुम्हारा व्यवहार ठीक कर सकें."
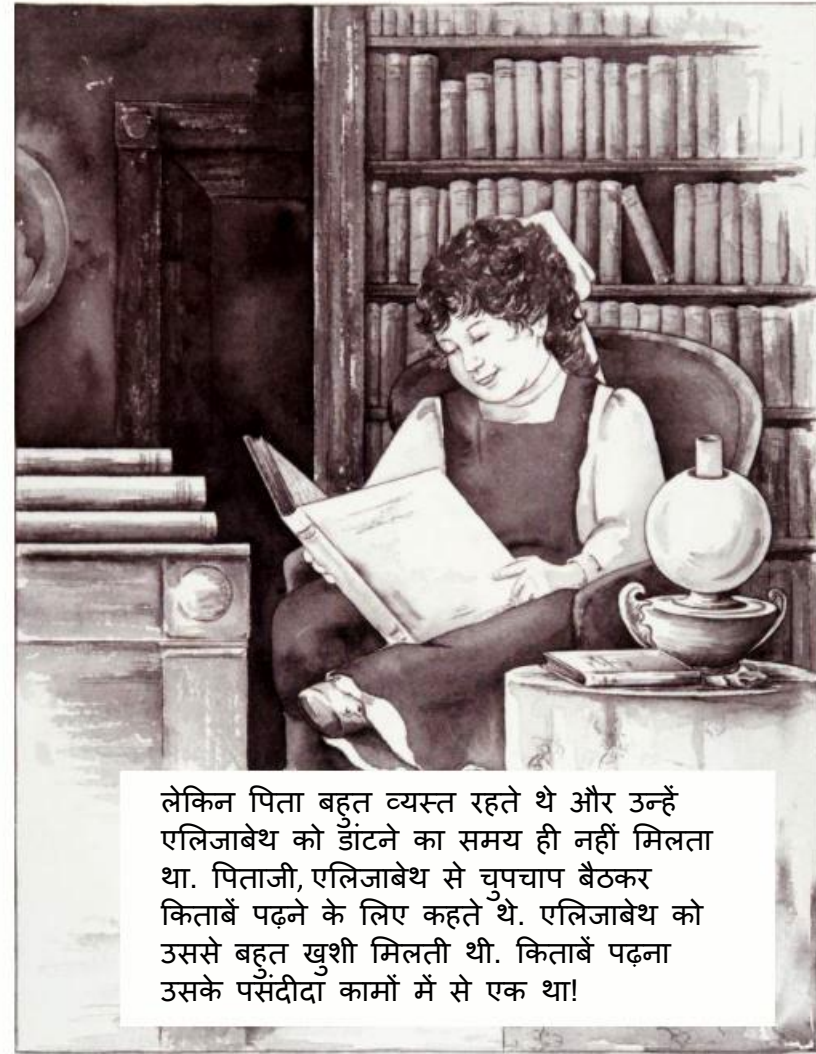
लेकिन पिता बहुत व्यस्त रहते थे और उन्हें एलिजाबेथ को डांटने का समय ही नहीं मिलता था. पिताजी, एलिजाबेथ से चुपचाप बैठकर किताबें पढ़ने के लिए कहते थे. एलिजाबेथ को उससे बहुत खुशी मिलती थी. किताबें पढ़ना उसके पसंदीदा कामों में से एक था!

एक भयानक दिन एलिजाबेथ के बड़े भाई एलेजार का देहांत हो गया. उससे उसके माता-पिता का दिल टूट गया. एलेजार उनका गौरव और आँख का तारा था.

एलिज़ाबेथ के पिता चाहते थे एलेजार उनके साथ मिलकर ऑफिस में काम करे. फिर एलिजाबेथ ने अपने पिता के गले में अपनी बाहें डालीं जिससे पिता बेहतर महसूस करें. पर पिता ने उदास होकर एलिजाबेथ की ओर देखा. "ओह, मेरी बेटी" उन्होंने कहा. "तुम्हें एक लड़का होना चाहिए था."
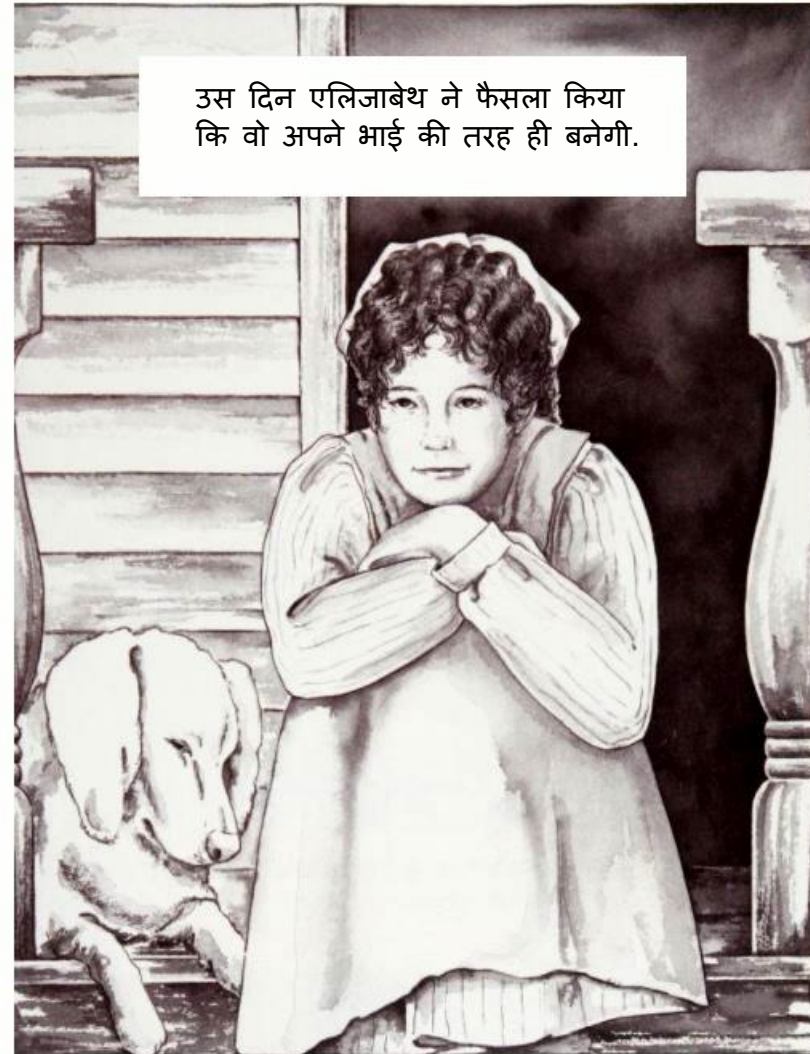
उस दिन एलिजाबेथ ने फैसला किया कि वो अपने भाई की तरह ही बनेगी.
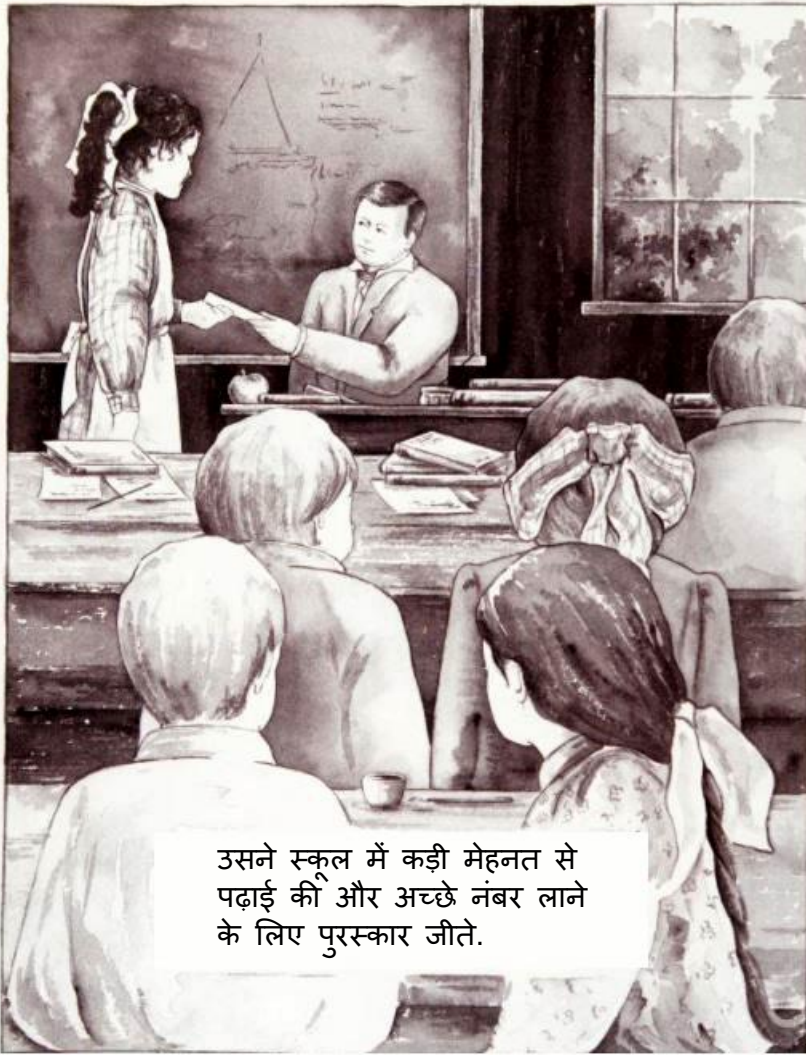
उसने स्कूल में कड़ी मेहनत से पढ़ाई की और अच्छे नंबर लाने के लिए पुरस्कार जीते.
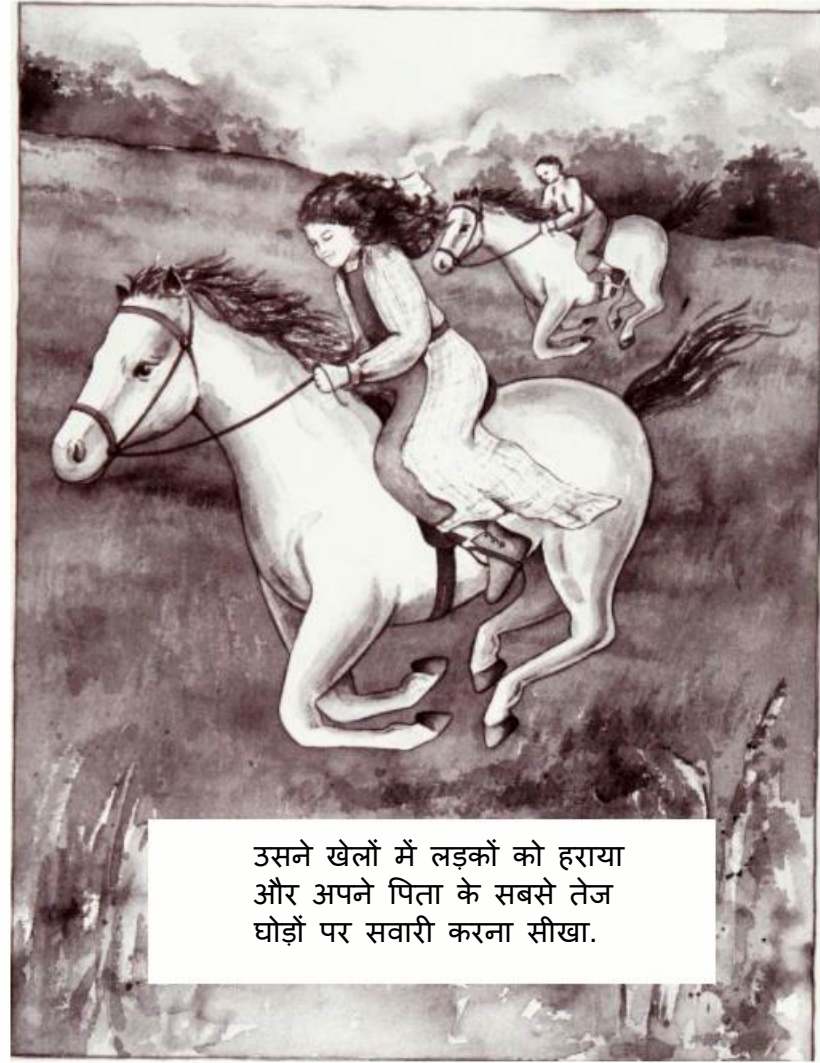
उसने खेलों में लड़कों को हराया और अपने पिता के सबसे तेज घोड़ों पर सवारी करना सीखा.

एलिजाबेथ के पिता को अब अपनी बेटी पर गर्व था. लेकिन जब वो कॉलेज जाने की उम्र की हुई, तो उसे कॉलेज नहीं जाने दिया गया क्योंकि वो एक लड़की थी.

एलिजाबेथ को उस निर्णय से बहुत गुस्सा और निराश हुई, लेकिन उसने किताबें पढ़ना और नई चीजें सीखना लगातार जारी रखा.
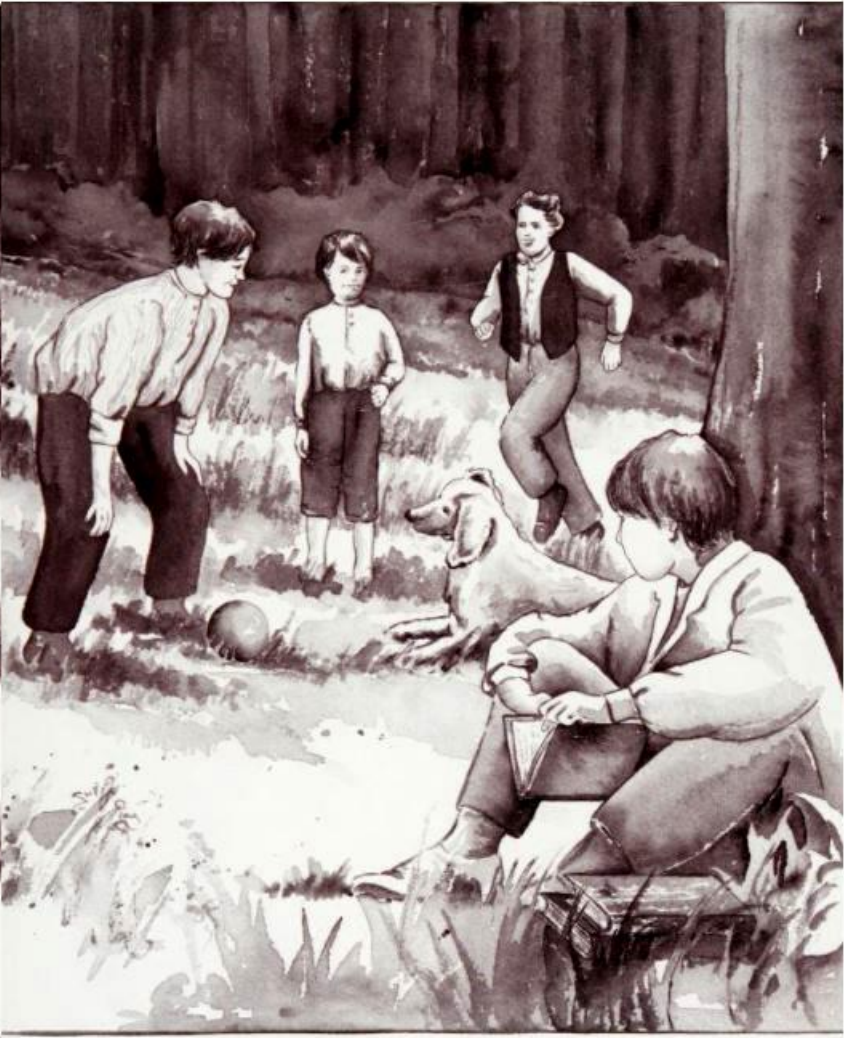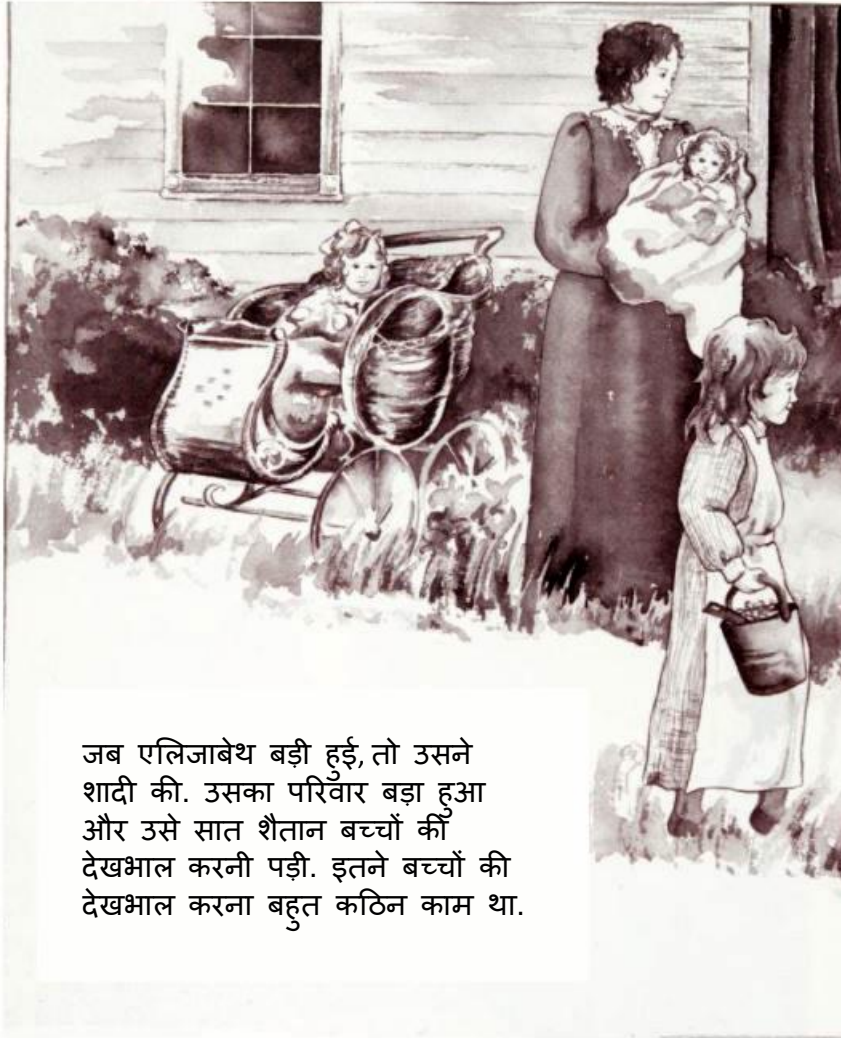
जब एलिजाबेथ बड़ी हुई, तो उसने शादी की. उसका परिवार बड़ा हुआ और उसे सात शैतान बच्चों की देखभाल करनी पड़ी. इतने बच्चों की देखभाल करना बहुत कठिन काम था.

लेकिन फिर भी एलिज़ाबेथ ने लड़कियों और महिलाओं के साथ लोगों के व्यवहार के तरीके को बदलने के लिए कड़ी मेहनत की. एलिजाबेथ यह जानती थी कि वो लोगों के विचारों और मान्यताओं को अकेले नहीं बदल पाएगी. इसलिए, उसने अन्य महिलाओं से मदद के लिए अपील की.
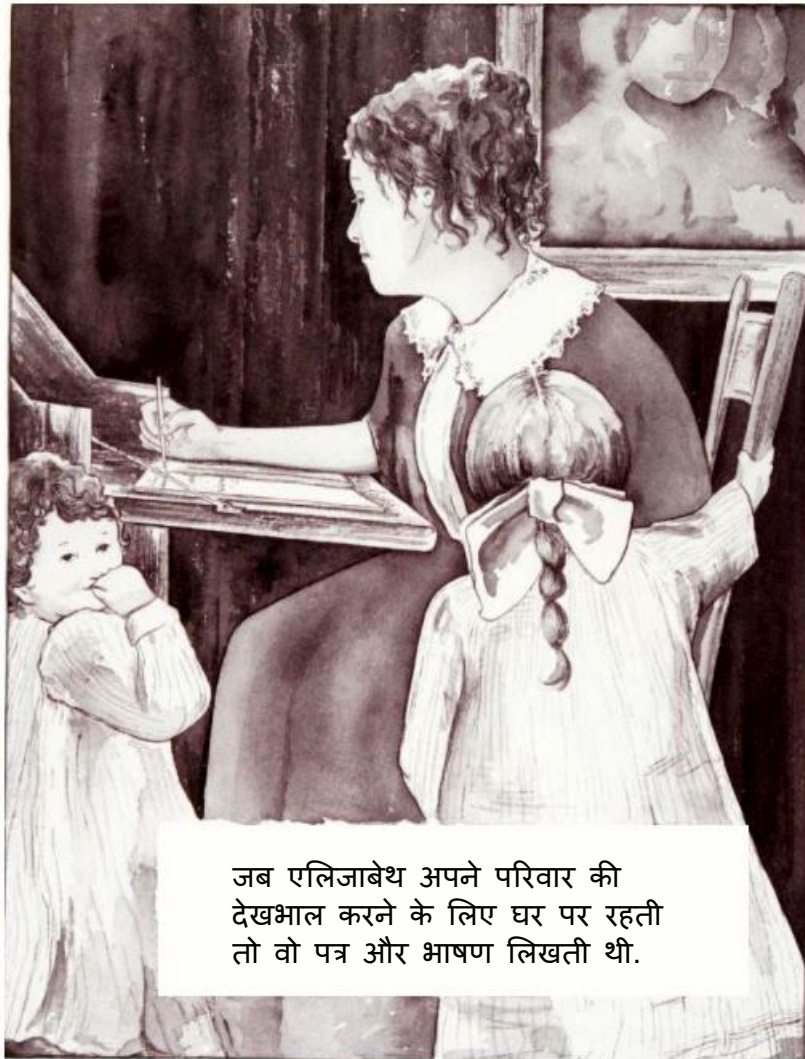
जब एलिजाबेथ अपने परिवार की देखभाल करने के लिए घर पर रहती तो वो पत्र और भाषण लिखती थी.
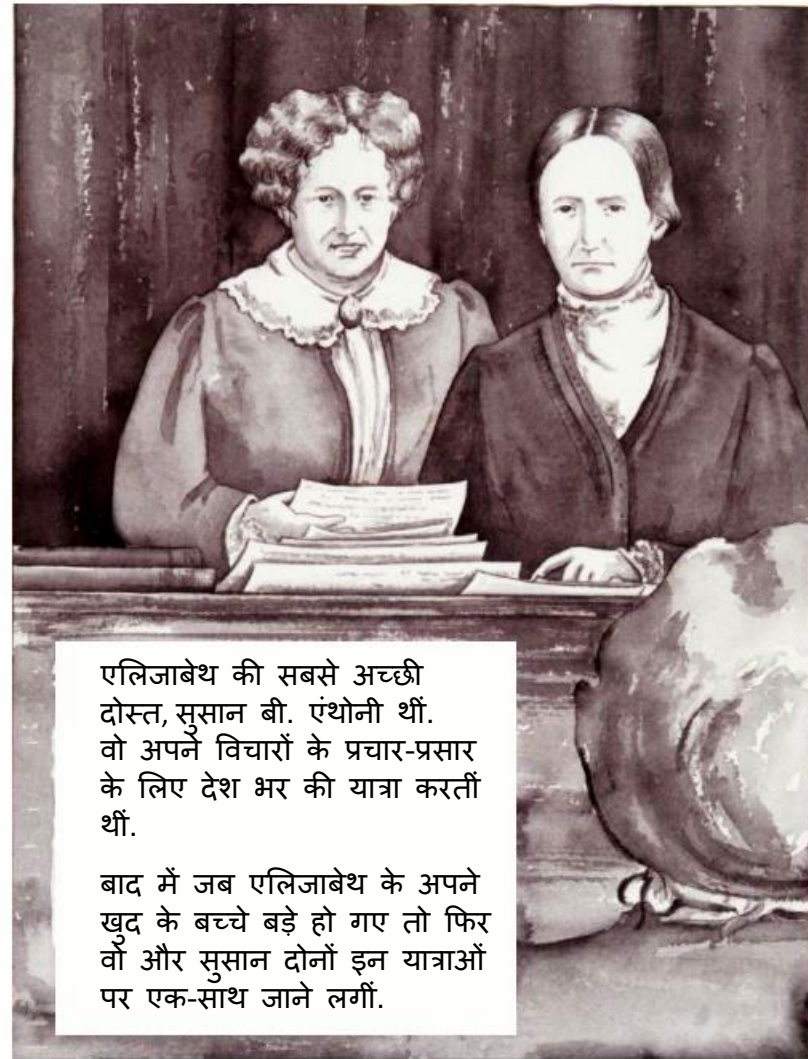
एलिजाबेथ की सबसे अच्छी दोस्त, सुसान बी. एंथोनी थीं. वो अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए देश भर की यात्रा करतीं थीं.

बाद में जब एलिजाबेथ के अपने खुद के बच्चे बड़े हो गए तो फिर वो और सुसान दोनों इन यात्राओं पर एक-साथ जाने लगीं.

क्योंकि एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन ने इतने लंबे समय तक इतनी मेहनत की, इसलिए आज महिलाओं और लड़कियों के पास कई विकल्प मौजूद हैं.

अगर वो आज जिंदा होतीं तो एलिजाबेथ महिलाओं को मतदान करते, संपत्ति के मालिक, डॉक्टरों या वकीलों, बिल्डर या अंतरिक्ष यात्री, मेल वाहक या पुलिस अधिकारियों के रूप में काम करते हुए देखकर बहुत खुश होतीं.

अगर एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन आज जीवित होतीं, तो वो आज भी महिलाओं के अधिकारों के लिए काम कर रही होतीं.

समाप्त